



सूक्तयः

लिखित (Written)



1. जोड़े बनाइए (Make pair) –

संतोष एव पुरुषस्य
सर्वे गुणाः
असमीक्ष्य न कर्तव्यम्
उदारचरितानाम् तु
क्षीयन्ते खलु भूषणानि

कर्तव्यं सुसमीक्षितम् 3.
वसुधैव कुटुम्बकम् 4.
सततं वाग्भूषणम् भूषणम् 5.
परं निधानम् 1.
काञ्चमाश्रयन्ति 2.

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks) –

- (क) संतोष एव पुरुषस्य परं निधानम् ।
(ख) कष्टं खलु पराश्रयः ।
(ग) गतः काली न चायाति ।
(घ) विशिष्टतायाः विशिष्टेन संगमो गुणवान् भवेत् ।
(ङ) उदास्यारितानां कुटुम्बकम् ।
तु वसुधैव

4. संधि कीजिए (Join these words) –

- | | | | | | |
|-----|----------|---|-----------|---|-------------------------|
| (क) | च | + | कीर्तिः | = | <u>चाकीर्तिः</u> |
| (ख) | पर | + | आश्रयः | = | <u>पराश्रयः</u> |
| (ग) | काञ्चनम् | + | आश्रयन्ति | = | <u>काञ्चनमाश्रयन्ति</u> |
| (घ) | वाक् | + | भूषणम् | = | <u>वाग्भूषणम्</u> |
| (ङ) | वसुधा | + | एव | = | <u>वसुधैव</u> |